हरिभूमि

# रेवाड़ी भूमि

रोहतक, सोमवार 22 सितंबर 2025


तापमान

अधिकतम 37.5 डिग्री

न्यूनतम 20.0 डिग्री


11 शारदीय नवरात्रे आज से, लाइटों से जगमग हुए मंदिर, की खरीददारी

12 त्योहारी सीजन में बाजार में बढ़ेंगी भीड़, अतिक्रमण से घिरा बाजार, लोगों के बीच घूम रहे गोवंश

दीन दयाल जन आवास योजना

# DEEN DAYAL AWAS YOJNA

(Under Affordable Plotted Housing Policy 2016, Govt. of Haryana)

## 2/3 BHK LUXURY FLOORS

## IN RERA APPROVED TOWNSHIP

GURGAON MOST PROMISING ADDRESS SECTOR-35, SOUTH OF GURUGRAM

33% RESERVED FOR WOMEN & GOVT. EMPLOYEES

## Pay ₹31,000 for Registration

Amount is Fully Refundable to unsuccessfull applicants

26th SEPTEMBER IS THE LAST DAY OF REGISTRATION

Unit Allocation Date 2nd October 2025 (Thursday)

### PAYMENT PLAN

| Type | Area in (Sq. Ft.) | Area in (Sq. mtr.) | Registration Amount | Payment Within 5 Days | Payment Within 15 Days | 10% Within 30 Days | 20% Within a Month | 60% On Possession | Total Basic Cost |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3BHK+3T | 1503 | 139.63 | ₹ 31,000 | ₹ 5,00,000 | ₹ 12,69,000 | ₹ 18,00,000 | ₹ 36,00,000 | ₹ 1,08,00,000 | ₹ 1,80,00,000 |
| 3BHK+2T | 1215 | 112.87 | ₹ 31,000 | ₹ 5,00,000 | ₹ 9,19,000 | ₹ 14,50,000 | ₹ 29,00,000 | ₹ 87,00,000 | ₹ 1,45,00,000 |

Any other charges levied by the Govt. & GST as applicable*

ATS to be executed after completion of 30% of payment

Most Trusted | Quality Construction | Timely Possession | Excellent Customer Service | Great Partnerships | Reputed | Transparent

### ADVANTAGES

- Bang on Gurgaon - Sohna Expressway
- In Close Vicinity of 15000+ upcoming residential Units
- Close to Educational Hub and Schools like GD Goenka World School, K.R. Manglam, SCJ Academy etc.
- 30 Mins Drive from IGI Airport
- 20 Mins Drive from Cyber City
- 7 Mins Drive from Proposed Metro Rail Corridor
- 15 Mins Drive from Rajiv Chowk

### SPECIFICATIONS

- Modular Kitchen - Chimney - HOB
- 1 Room Fully Furnished for Kids - AC in All Rooms
- Geyser (All Washrooms & Kitchen)
- Wardrobes in All Rooms
- Wooden Flooring in Master Bedroom
- False Ceiling in All Rooms
- 1 Year Maintenance Included

### AMENITIES

Basketball Court

Yoga Lawn

kids Play Area

Badminton Court

Outdoor Gym

Club House

## For Online Registration

www.haryanadeendayalawasyojna.com

Call: +91-92112-82697

Scan QR Code with Google lens For Online Registration

*अगर दो साइकिल सवार सड़क पर एक-दूसरे से टकराकर गिर पड़ें तो उनके लिए यह लाज़िमी हो जाता है कि वे उठकर सबसे पहले लड़ें फिर धूल झाड़ें। यह पद्धति इतनी मान्यता प्राप्त कर चुकी है कि गिरकर न लड़ने वाला साइकिल सवार बुजदिल माना जाता है, क्षमाशील संत नहीं।* **- हरिशंकर परसाई**

*चाची सारे परिवार से छिपा कर वंदू से चिट्ठी लिखवाती अपने फौजी पति को, 'या तो अगले महीने छुट्टी लेके आ जाईयो वरना तीनों बच्चों को लेकर दौकली (एक नहर का नाम) में कूद जाऊँगी'। लिख देना बेटी कुछ भी छूटना नहीं चाहिए। सुबकती हुई चाची को धीरज देना भी वंदू का ही काम था। कृष्णा बुआ अपने पति को खत लिखवाती, जिसमें विरह वर्णन होता।*

कहानी

ललिता विम्मी

# अनछुए अहसास

उन दिनों चिट्ठी पत्री का ही ज़माना था, या फिर टेलीग्राम जिसे आम भाषा में लोग तार कहते थे, वो भी बहुत गम या बहुत खुशी के मौके पर। खुशी के वक्त तो तार बहुत ही कम या एकाध ही आता था। जब भी जिसके घर डाकिया तार लेकर आता था, उसके तो पैरों तले की जमीन ही खिसक जाती थी, और आसपास के लोग भी घबरा जाते थे। वो जमाना ही और था, बहुत स्नेह था लोगों में, एक दूसरे के लिए भावनाएं थी लोगों के दिल में। एक दूसरे के दुख- सुख में दिली तौर पर शरीक होते थे, न कि सिर्फ हाज़री भर जताने के लिए। शादी ब्याह से महीना भर पहले ही पड़ोसी भी तैयारी करवाने में जुट जाते थे। चार-पाँच दिन तक तक सब मिलकर अनाज व दालों की सफाई करते। फिर उस घर की लिपाई-पुताई मरम्मत में भी मदद करवाते, कोई अपने पराये जैसी बात नहीं थी। काम करते हुए सब मंगल गीत गाते, कोई ऐसे नहीं कहता कि उनके घर में शादी है, ऐसे बोला जाता कि हमारी गली में शादी है, फलां के बेटे की या बेटी की।

इन सब कामों के साथ-साथ एक मुख्य काम होता था चिट्ठी लिखना और न्यौता भेजना, न्यौता तो शादी से दो या तीन दिन पहले ही दिया जाता था हाँ, चिट्ठी जरूर महीना पहले लिखनी होती थी। जो बंदा चिट्ठी लिखता था वो बहुत ही जिम्मेदार होता, उसी के पास ब्योरा रहता था कि किस-किस को खत भेजना है और किस-किस को भेजा गया है। शादी वाले घर का मुखिया उसे अपने मेहमानों के पते वगैरह सौंप देता था। कितना अपना सा था न वो ज़माना। इस अपने से प्यारे से वक्त में सब की अपनी, सब की प्यारी थी, वृन्दा। सब उसे वंदू कहते थे। छठी में पढ़ने वाली वंदू की लिखाई ऐसी थी जैसे किसी ने कागज़ पर मोती उड़ेल दिए हो। लोग उसे अपनी भाषा में मज़मून समझा देते थे खत को भाषा और शब्द देने का काम वन्दु का होता था।

> रात को सब के सोने के बाद वंदू ने वो गुलाबी पर्ची खोली , जो सिर्फ उसी के लिए थी, 'मैं तुम्हें बहुत पंसद करता हूँ, पहले दिन से ही, जब से तुम को देखा था। हर बार खत पर अपना दिल भेजता था पर तुमने ध्यान ही नहीं दिया शायद। मैं दो महीने बाद छुट्टी आऊँगा, आते ही तुम्हारे माँ-बाबा के पास माँ को भेज कर तुम्हारा हाथ माँग लूंगा। गर तुम्हें भी मेरी मोहब्बत मंजूर हो तो खत का जवाब दे देना। तुम्हारे जवाब के इंतजार में राजेश्वर'।

कभी भी किसी के काम को न कहना वंदू ने सीखा ही नहीं था। सब की राजदार थी वो। बिमला चाची सारे परिवार से छिपा कर वंदू से चिट्ठी लिखवाती अपने फौजी पति को, 'या तो अगले महीने छुट्टी लेके आ जाईयो वरना तीनों बच्चों को लेकर दौकली (एक नहर का नाम) में कूद जाऊँगी'। लिख देना बेटी कुछ भी छूटना नहीं चाहिए। सुबकती हुई चाची को धीरज देना भी वंदू का ही काम था। कृष्णा बुआ अपने पति को खत लिखवाती, जिसमें विरह वर्णन होता। भरथो दादी अपने पीहर रामरमी की चिठ्ठी जरूर लिखवाती, हर महीने और उन की चिठ्ठी का जवाब भी आता। लिखना और पढ़ना सभी काम वंदू के ही थे। ऐसा नहीं था कि पूरी गली में सिर्फ वही पढ़ना-लिखना जानती थी, और भी बहुत लोग थे। लड़के लड़कियाँ जो उससे बड़ी कक्षाओं में भी थे, पर पता नहीं क्यों तमाम गली की ख़त-ओ-किताबत वंदू ही के हिस्से थी। कभी कभी तो उसके स्कूल से आते ही रास्ते मे ही बिमला चाची धीरे से बुलाती, 'आजा छोरी कब की बाट देख रही हूँ थारी'। 'चाची बस रोटी खा ल्यूं , बहुत भूख लग रही है'। 'चाची के घर रोटी ना है के छोरी', स्नेहिल डांट के साथ चाची मक्खन रोटी और चटनी खिलाती। रामेश्वर चाचा तो शाम को ही आते थे। 'वंदू चाल बेटी तेरी चाची बुला रही है'। चाचा ,'माँ चाय बना रही है, चाय पी के आऊँगी, सुनो चाचा आप भी पी लो, मेरी माँ चाय बहुत अच्छी बनाती है'। 'चल बेटी , तेरी चाची से मलाई वाली चाय बनवाते हैं, तेरे सहारे मुझे भी मिल जायेगी'। स्कूल के काम करने का समय लोगों के खत लिखने और पढ़ने में बीत जाता था। रात को बिजली नहीं होती थी, बहुत बहुत देर में आती थी। दीये की रोशनी में काम करती तो माँ चिल्लाती, 'अंधी हो जाओगी अंधी, रात रात भर दीया जला कर इन किताबों में सिर खपाओगी तो, दिन में लोगों की सेवा में लगी रहेगी, जैसे इस के सिवा किसी को लिखना पढ़ना आता ही नहीं'। 'मत चिल्लाया कर वंदू की माँ, छोरी अच्छा ही कर रही, कुछ बुरा न कर रही। देख कितनी पूछ है तेरी छोरी की गली में, सारा दिन वंदू वंदू हुई रहवे सै'। बाबा उसे को पुचकार देते।

यूं ही खत लिखती और पढ़ती वंदू बहुत अच्छे नम्बरों से बारहवीं ज़मात पास कर गई। पड़ोस की बीना मौसी कम उम्र में ही विधवा हो गई थी। उन्होंने अपने भाई के बेटे को गोद ले रखा था। लड़का दो साल पहले ही फौज में भर्ती हो गया था। बीना मौसी भी सारी चिठियाँ वंदू से ही लिखवाती थी। वंदू एक चीज हमेशा नोट करती कि बीना मौसी का बेटा हर खत के अंत में छोटा सा दिल का निशान बना देता है पर उसे तो इन सब से कोई मतलब ही नहीं था। एक बार वो अपनी छत पर कपड़े सूखा रही थी कि बीना मौसी भागती हुई आई, वंदू 'जरा चिठ्ठी पढ़ कर बता तो म्हारे राजेश्वर की लागै है, और कौन चिठ्ठी भेजेगा हमनै,आईए बेटी जरा जल्दी आईए।' 'मौसी आ रही हूँ'। वंदू ने जैसे ही वो पीला लिफाफा खोला, उसमें दिल का निशान बनी एक गुलाबी परची भी थी जिस पर लिखा था। सिर्फ वंदू के लिए, 'मेरे लिए।' ' क्या तेरे लिए छोरी'। 'कुछ नहीं मौसी, मैं तो चिठ्ठी खोल रही थी, इसी पर शायद कुछ लिखा है'। 'अच्छा छोरी पढ़ जल्दी पढ़'। वंदू ने गुलाबी परची अपने आँचल में छिपा ली थी। मौसी को पता भी नहीं चला था। 'कल लिफाफा लेकर आऊँगी, कल जवाब भी लिख देना'।

'जी मौसी'। रात को सब के सोने के बाद वंदू ने वो गुलाबी पर्ची खोली थी। जो सिर्फ उसी के लिए थी, 'मैं तुम्हें बहुत पंसद करता हूँ, पहले दिन से ही, जब से तुम को देखा था। हर बार खत पर अपना दिल भेजता था पर तुमने ध्यान ही नहीं दिया शायद। मैं दो महीने बाद छुट्टी आऊँगा, आते ही तुम्हारे माँ-बाबा के पास माँ को भेज कर तुम्हारा हाथ माँग लूंगा। गर तुम्हें भी मेरी मोहब्बत मंजूर हो तो खत का जवाब दे देना। तुम्हारे जवाब के इंतजार में राजेश्वर'।

वंदू का चेहरा लाल हो गया था। उसे बहुत शर्म आ रही थी, झट से चादर खींचकर चेहरा ढक लिया था। मौसी अगले दिन लिफाफा लेकर आ गई थी, खत लिखवाने के लिए। वंदू ने भी खत पर एक दिल का निशान बना दिया। पन्द्रह दिन बीत गए थे, कोई जवाब नहीं आया था। मौसी से भी नहीं पूछ सकती थी, गर कोई खत आता तो मौसी सीधे उसी के पास आती पहले। आज सोच रही थी कि मौसी के पास जाऊंगी, शायद कुछ पता चले। तभी मां किसी औरत को ये कहती सुनी, बहुत ही बुरा हुआ, सारी उम्र बिता दी बेचारी ने वैराग्य में और अब इस उम्र में इतना बड़ा दुख। 'दुख-सुख की खबर तो लोगों को वंदू से मिलती है, ये कौनसा और किसके दुख का जिक्र कर रही हैं माँ' वंदू मन ही मन बड़बड़ाई। 'क्या हुआ मां'। 'अरी वो तेरी बीना मौसी का छोरा नहीं था वो फौजी, जिस खातर चिठ्ठी लिखवान आया करती वो' 'हां, हां, अभी तो उनकी चिठ्ठी का कोई जवाब ही नहीं आया', मां की बात बीच में ही काट ,वो जल्दी-जल्दी बोल गई थी।

'कैसा जवाब छोरी, वो बेचारा तै बार्डर पे दुश्मन संग लड़ते हुए राम ने प्यारा हो गया'। 'पर मां'! माँ ने शायद उसकी बात सुनी ही नहीं थी, वो तो उस पड़ोसन के साथ बातों में व्यस्त थी। वंदू भागकर कमरे में आ गई थी, उसनें किताब से वो गुलाबी पर्ची निकाल ली, उसके ऊपर बने दिल के निशान पर उसके आंसू बह निकले। 'तुम ने तो मेरा जवाब भी नहीं पढ़ा और वादा खिलाफी भी कर दी। ऐसा क्यों किया तुमने बोलो ना'। आंसुओं से दिल पर लगी स्याही फैल गई थी, रंग भी हल्का पढ़ गया था। मामाजी की एक पहचान के बंदे ने एक सरकारी नौकरी वाला रिश्ता बताया था। मां-बाबा ने भी तुरंत हां कर दी थी।

वंदू भी उस धुंधले दिल को अपने साथ समेटे ससुराल आ गई थी। सब बहुत अच्छा था यहां, पर कभी-कभी वो चुपके से उस धुंधले से दिल में भी झांक लेती । मां-बाबा के पास जब भी जाती, मौसी से जरूर मिलती, मौसी खूब रोती, मौसी को धीरज देते-देते वो भी अपने आंसुओं को बह जाने देती। वक्त कभी रुका है क्या, कभी नहीं, एक ज़माना बीत गया है। आंसुओं से भीगे दिल की स्याही वक्त की गर्द से और भी धुंधला गई है। अब चिठ्ठी पत्री सब खत्म हो गई हैं। अब तो वाट्सएप और मैसेंजर का वक्त है। आज वो खुद पचास साल की हो गई है। दोनों बच्चे भी बड़े हो गए हैं। बाबा भी नहीं रहे। मां के पास जब भी जाती मौसी के बारे में बात जरूर करती, अब मौसी भी नहीं रही थी। बच्चों को ये सुनकर बहुत हैरानी होती थी कि उनकी मां तमाम गली के लिए चिठियां लिखती थी।

'कैसे मैनेज करती थी मां आप सब, सुना है आप पढ़ाई में बहुत होशियार थी'। 'अरे बेटा, पता नहीं कैसे हो जाता था सब'। 'अच्छा मम्मी फिर तो आपने पापा को भी बहुत चिठियाँ लिखी होगी क्योंकि आप तो ख़त-ओ-किताबत में माहिर थी' बेटी ने हँसते हुए कहा था।

'कैसी चिठ्ठी बेटा, हमारी तो दस दिन के अंदर ही शादी तय हो गई थी' पति ने हँसते हुए कहा था। बेटा और बेटी भी हंसते हुए बाहर निकल गए। वंदू, बच्चे एक बात तो ठीक कहते हैं, तुम इतनी बड़ी और व्यस्त पत्र लेखिका रही, परन्तु तुमने कभी चंद शब्द भी नहीं लिखे मेरे लिए'।

'आप भी बच्चों की बातों से बच्चे ही बन गए, मैं आपके लिए चाय लेकर आती हूँ।' चाय बनाते समय उसने भरे मन से कुछ सोच लिया था। सुबह पितृपक्ष का आखिरी श्राद्ध है, कहते हैं इस दिन सभी भूले बिसरों का श्राद्ध होता है।

पचास साल की हो गई हूँ, जीवन का क्या भरोसा। ये काम भी कर देना चाहिए। सुबह जल्द उठकर अपनी पारिवारिक रस्मों को निभाया, और फिर एक छोटा सा पर्स अपने बड़े बैग में रखा और मंदिर चली गई। उस वक्त मंदिर में कोई भी नहीं था। वृन्दा ने छोटे से पर्स में से गुलाबी रंग की परची बाहर निकाली। आखरी बार पढ़ा और हाथ जोड़ दिए। 'राजेश्वर मैं तुम्हें और खुद को इन अनछुए अहसासों से मुक्त करती हूँ, तुम जहाँ भी हो खुश रहो' और उसने उस दिल की धुंधली स्याही को शिवजी के चरणों के जल से बिल्कुल साफ कर दिया और अपने आंसुओं की नमी से उसका तर्पण भी कर दिया।

> *आज वो खुद पचास साल की हो गई है। दोनों बच्चे भी बड़े हो गए हैं। बाबा भी नहीं रहे। मां के पास जब भी जाती मौसी के बारे में बात जरूर करती, अब मौसी भी नहीं रही थी। बच्चों को ये सुनकर बहुत हैरानी होती थी कि उनकी मां तमाम गली के लिए चिठियां लिखती थी। 'कैसे मैनेज करती थी मां आप सब, सुना है आप पढ़ाई में बहुत होशियार थी'। 'अरे बेटा, पता नहीं कैसे हो जाता था सब'। 'अच्छा मम्मी फिर तो आपने पापा को भी बहुत चिठियाँ लिखी होगी क्योंकि आप तो ख़त-ओ-किताबत में माहिर थी' बेटी ने हँसते हुए कहा था। 'कैसी चिठ्ठी बेटा, हमारी तो दस दिन के अंदर ही शादी तय हो गई थी' पति ने हँसते हुए कहा था। बेटा और बेटी भी हंसते हुए बाहर निकल गए। वंदू, बच्चे एक बात तो ठीक कहते हैं, तुम इतनी बड़ी और व्यस्त पत्र लेखिका रही, परन्तु तुमने कभी चंद शब्द भी नहीं लिखे मेरे लिए।*

कविता

मनोज कुमार

## मेरी बेटी

मेरी बेटीआज एक बेटी की बाबुल के घर से सदा के लिए विदाई हो रही थी,
उसके अपने घर की दहलीज पराई हो रही थी,

हर किसी आंख से बह रही थी आंसू की धार,
माँ छुपा आंसुओं को कर रही थी बेटी का लाड़ दुलार,

इतने नाज लाड़ से पाली उस कोख की जाई को,
आज सदा के लिए हो जाएगी पराई जैसे चुकाई हो कोई उधार,

बाप की आंखों से भी आंसू रुक नहीं पाए,
बेटी को देते आशीष नीर बेहताशा आंखों से निकल आए,

खुशी के पल के बाद हो गया गमगीन सारा कुनबा परिवार,

छोटे भाई, बहन और सखियां भी रो–रो के दे रहे थे उसे विदाई,
उसे लड़की के मन में उठी टीस की वो हो गई आज पराई,

बचपन में खेलती थी भाई बहनों के साथ करती मां लाड़–दुलार,
सखियां भी आती गुड़िया खेलने जब होता छुट्टी वाला रविवार,

आज उसकी विदाई से रो रहे थे घर की खिड़कियां और मुख्यद्वार,
सर्दियों में पढ़ने के लिए उन खिड़कियों में रखती किताबें और लगाती कापियों की कतार,

गाड़ी आई और बिठा दिया बेटी को चल पड़ी गाड़ी जो खड़ी थी सज-धज कर तैयार,
चल पड़ी बेटी अपने जीवन के नए अध्याय को शुरू करने,

मां बाप ने पोंछा आंसुओं को क्योंकि अब बारी-बारी मेहमानों की भी विदाई हो रही थी,
आज एक लड़की के घर की दहलीज हमेशा के लिए पराई हो रही थी।

कविता

शिव 'बलाहा'

## तुम

तुम
इसलिए तुम हो
कि लड़कर, टूटकर
फिर तत्पर हो
लड़ने को।

तुम
इसलिए तुम हो
कि गिरकर, संभलकर
फिर खड़ी हो
चढ़ने को।

तुम
इसलिए तुम हो
कि मचलकर नीड़ से
फिर चहकी हो
बढ़ने को।

तुम
इसलिए तुम हो
कि होड़ में, दौड़ में
मुकाबिल हो
अड़ने को।

मुक्तक

वीरेंद्र मधुर

## कविताएं लिखते रहे

कविताएं लिखते रहे पर गाया नहीं,
गीत गाने का सलीका आया नहीं।

हम उलझ कर रह गए किताबों
में,उनको पढ़ने का समय पाया नहीं।

जल उठी हैं धमनियां संचार करते,
खून का रिश्ता सही निभाया नहीं।

कुछ लिखी ग़ज़लें रूबाई और नज़्म,
शब्द ने शब्दों को घर बुलाया नहीं।

भेद का मंथन किया तो भटके फिरे,
आदमी ने अपना रूप घटाया नहीं।

अभिमान के पर्चे चिपक कर रह गए,
मन से घृणा का कचरा हटाया नहीं।

बच्चे बूढ़े रोगी को खुशियां परोसे,
इंसान ने यह भार क्यों उठाया नहीं।

लिख दिया मधुर अंधेरा दूर होगा,
प्यार का दीपक कोई जलाया नहीं।

# नौरंगीलाल अपनी पार्टी में

व्यंग्य

डॉ. मधुकांत

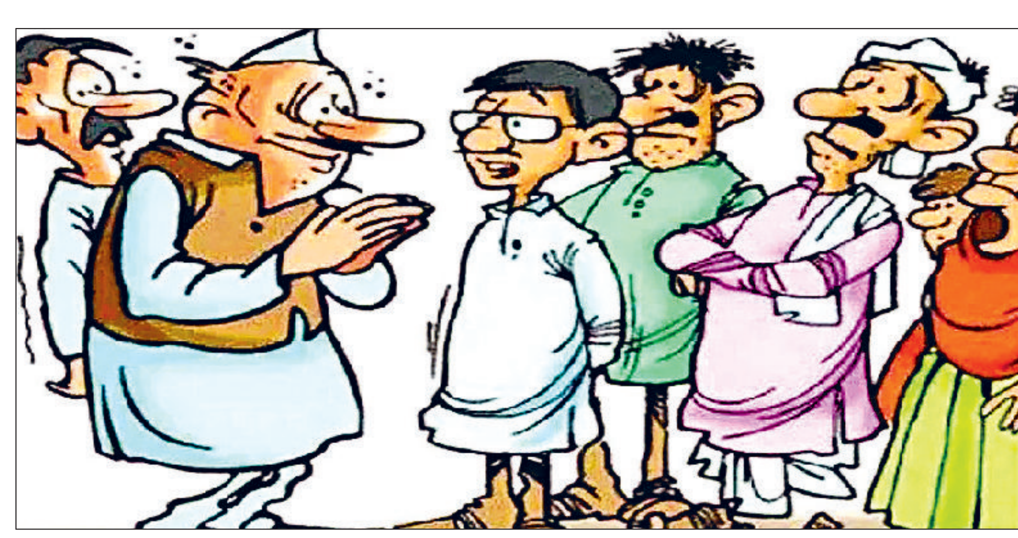

जब वह पहली बार इस स्कूल में आया था तब उसका नाम सम्मान के साथ मास्टर नौरंगीलाल जी संबोधित किया जाता था। कुछ दिनों बाद सब उनको स्कूल में मास्टर नौरंगी कहने लगे। सेवानिवृत्ति के बाद तो वह मात्र नौरंगी ही रह गया। उस दिन भोजन के बाद वह अपने बिस्तर पर जा रहा था कि अचानक फोन की घंटी बजी। बिना नाम के फोन को वह कम ही उठती हैं परंतु जब दूसरी बार घंटी बजी तो उन्होंने फोन उठा लिया, 'हेलो ?" "जी, मैं आपका शिष्य रमेश बोल रहा हूं। आप तो मुझे भूल ही गए होंगे परंतु "कहिए, क्या काम है.. ? नौरंगीलाल ने बीच में बात को काट दिया। "सर, कल हम आपको सम्मानित करने के लिए आ रहे हैं।" "किस बात के लिए-" नौरंगी आश्चर्य से भर गए। "सर, आप इतने श्रेष्ठ अध्यापक रहे हैं। पूरे कस्बे में आपकी प्रतिष्ठा है। इसलिए हम पांचों मित्र सुबह 10:00 बजे आपके घर आपको सम्मानित करने के लिए आ रहे हैं"- कहते-कहते उसने फोन काट दिया।

नौरंगी भौचक्के से रह गए। यह कैसा सम्मान है? मेरा सम्मान और वह भी मेरे ही घर में, कल 10:00 बजे.. सोचकर बिस्तर पर जाने की बजाय वे वापस बैठक में आ गए। सब सामान को व्यवस्थित करने लगे। देर होने लगी तो कुछ काम सुबह के लिए छोड़कर वापस बिस्तर पर आ गए। सोने का उपक्रम करने लगे परंतु दिमाग उधेड़बुन में ही उलझा रहा। सुबह-सवेरे आंख जल्दी खुल गई। बैठक की साफ-सफाई करते, स्नान ध्यान करते, बाजार से दूध नाश्ते का सामान लाते 9:30 बज गए। आज उन्होंने पहले से अधिक उजला व प्रेस किया हुआ कुर्ता पहना था।

> **सांझ ढलते-ढलते ब्रेकिंग न्यूज बनकर यह समाचार पूरे शहर में आग की भांति फैल गया। पत्रकारों को अपनी बात समझाते-समझाते मास्टर नौरंगी थक गए। सिर दर्द से भन्नाने लगा। क्रोध से उसने अपना फोन बंद कर दिया और घर का दरवाजा बंद करवाकर, पड़ोसी से बाहर गेट पर ताला लगवा दिया।**

उन पांचों ने बैठक में प्रवेश किया तो नारंगी लाल ने देखा कि वह उनसे भी अधिक उजले और खदर के कुर्ते पहने हुए थे। पांचों ने अपना परिचय दिया और स्कूल से जुड़ी यादों को ताजा करते रहे। इस बीच चाय भी पी ली गई। चुनाव के दिन थे, चर्चा के बीच रमेश ने पार्टी नंबर एक की प्रशंसा करनी चाही परंतु नौरंगी की उपेक्षा को देखकर उन्होंने विषय बदल दिया। नौरंगीलाल ने अनुमान लगा लिया था कि रमेश के हाथ में जो थैला है संभव है उसी में सम्मान करने का सामान होगा। गली के बाहर चहल-पहल, माइक की आवाज बढ़ रही थी, तभी उन पांचों ने खड़े होकर गुरु नौरंगी लाल को भी अपने साथ खड़ा कर लिया। बारी-बारी शाल पहनाकर, फटका पहनाकर, माला पहनाकर और श्रीफल देकर वे सम्मानित करने लगे, तभी चुनावी पार्टी नंबर एक का जुलूस उनके घर में घुस आया और उनके गले में अपनी पार्टी का उत्तरीय पहनाकर, पार्टी के झंडे लगाकर, मास्टर नौरंगी लाल का अभिनंदन कर दिया। दो मिनट में ही सब गले मिलते, मिठाई खिलाते, ढोल नगाड़ों के साथ बाहर निकल गए।

नौरंगी हतप्रभ था कि यह शिष्यों द्वारा गुरु का कैसा अभिनंदन है और जाते-जाते एक पार्टी कार्यकर्ता की घोषणा- 'लो जी, आज से मास्टर नौरंगीलाल जी ने भी हमारी पार्टी ज्वाइन कर ली। अब तो हमारी जीत पक्की समझो।' नारंगीलाल तभी समझ गया कि उसके साथ राजनीतिक षड्यंत्र हुआ है। कभी द्रोणाचार्य ने गुरु दक्षिणा में शिष्य से उसका अंगूठा मांगा था और आज इस कलयुग में शिष्य हमसे कैसी शिष्य दक्षिणा मांगकर ले गया। दोपहर होते-होते दूरदर्शन पर, संध्या समाचार पत्र में, वीडियो, फेसबुक, व्हाट्सएप पर वायरल हो गया कि मास्टर नौरंगीलाल ने पार्टी नंबर एक ज्वाइन कर ली है। नौरंगीलाल के पास फोन पर फोन आने लगे। वह किस-किस को समझता कि मेरे साथ धोखा हुआ है।

पार्टी नंबर दो वाले बीवी के मायके वालों की रिश्तेदारी में थे। बीवी के पास उनका भी फोन आया। लाल-पीली होकर बीवी नौरंगी के सामने डटकर खड़ी हो गई। "आपने पार्टी नंबर एक ज्वाइन कर ली है।"

"अरे नहीं भाग्यवान, उन्होंने मेरे साथ धोखा किया । झूठा बहाना बनाकर, मेरे गले में अपनी पार्टी की नकेल डालकर चले गए।"

"तो मीडिया को सच बता दो कि मुझे धोखा दिया गया है।" ये संवाद चल ही रहे थे कि देखते-देखते पार्टी नंबर दो के कार्यकर्ताओं का झुंड उनके घर में आ घुसा । मुझे पार्टी नंबर दो का फटका पहन कर बीवी के नेतृत्व में मुझसे बुलवाया गया- "पार्टी नंबर एक वालों ने मेरे साथ षड्यंत्र करके अपनी पार्टी में सम्मिलित किया है। सच में पार्टी नंबर दो को ही मैं अपनी पार्टी मानता हूं।" सांझ ढलते-ढलते ब्रेकिंग न्यूज़ बनकर यह समाचार पूरे शहर में आग की भांति फैल गया।

पत्रकारों को अपनी बात समझाते-समझाते मास्टर नौरंगी थक गए। सिर दर्द से भन्नाने लगा। क्रोध से उसने अपना फोन बंद कर दिया और घर का दरवाजा बंद करवाकर, पड़ोसी से बाहर गेट पर ताला लगवा दिया। रातभर प्रेस में नौरंगी लाल के गुम होने का समाचार घूमता रहा। पार्टी नंबर एक अब पार्टी नंबर दो पर और पार्टी नंबर दो पार्टी नंबर एक पर नौरंगीलाल को किडनैप करने का दोष लगा रहे थे। केवल शक ही नहीं, दोनों पार्टियों ने मास्टर नौरंगीलाल की थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी लिखवा दी।

# सशक्त लेखन की बानगी है 'पतरस के मजामीन'

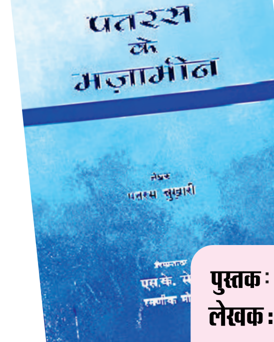

**पुस्तक : पतरस के मज़ामीन**
**लेखक : अहमद शाह बुखारी**
**प्रकाशक : सेठी परिवार की ओर से**

पुस्तक समीक्षा

अरुण कुमार कैहरबा

आ पतरस के नाम से विख्यात अहमद शाह बुख़ारी उर्दू व्यंग्य के बेहद मकबूल रचनाकार हैं। एस.के.सेठी और रमणीक मोहन ने उनकी 1927 में पहली बार प्रकाशित हुई किताब को हिन्दी के पाठकों तक पहुंचाने का बहुत सराहनीय काम किया है। 'पतरस के मज़ामीन' में संकलित 11 व्यंग्य उनके सशक्त लेखन की शानदार बानगी हैं। इनमें होस्टल में पडऩा, सवेरे जो कल आँख मेरी खुली, कुत्ते, उर्दू की आख़िरी किताब, मैं एक मियाँ हूँ, मुरीदपुर का पीर, अंजाम बख़ैर, सिनेमा का इश्क, मेबेल और मैं, मरहूम की याद में, लाहौर का जुग्राफिया शामिल हैं।यह किताब उर्दू हास्य- व्यंग्य के इतिहास में मील का पत्थर मानी गई है। उर्दू की किताब को हिन्दी पाठकों तक ले जाने के लिए रमणीक मोहन और एसके सेठी ने किताब का अनुवाद नहीं किया, बल्कि लिप्यंतरण का जटिल व महत्वपूर्ण काम किया है। लिप्यंतरण के साथ ही उर्दू के कठिन अल्फाजों के साथ ही कोष्ठक में हिन्दी अर्थ भी लिख दिए हैं। इससे लिप्यंतरणकारों ने एक तरह से उर्दू के लेखन को उसके मूलरूप में हिन्दी पाठकों तक पहुंचाया है। यह हिन्दी और उर्दू को नजदीक लाने के जरिये भाषिक व साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ाने का भी कार्य है। पता चलता है कि लिप्यंतरणकारों को दोनों भाषाओं व फारसी-नस्तालिक तथा देवनागरी का अच्छा ज्ञान है। पतरस के हास्य-व्यंग्यों की बात करें तो यह विश्व साहित्य में कमाल का लेखन है। बहुत ही सहजता के साथ पतरस अपने विषय को कथात्मक शैली में आगे बढ़ाते हैं और व्यंग्य का पूरा एक माहौल सृजित करते हैं। इसमें पाठक हंसी के फव्वारों में नहाता जाता है। वे साधारण जीवन दृश्यों को बेहद चतुराई से हास्य में तब्दील करने के माहिर हैं। किताब का पहला व्यंग्य- 'होस्टल में पडऩा' विद्यार्थी की लाहौर के कॉलेज में पढ़ते हुए होस्टल में रहने की इच्छाओं पर केन्द्रित है। उनका निबंध 'कुत्ते' में कुत्तों का जो विवरण उन्होंने दिया है, वह पाठकों को अपने अनुभवों से जोड़ते हुए हास्य का सृजन करता है। 'मुरीदपुर का पीर' में एक लेखक व वक्ता के महिमामंडन और उसके वक्तव्य की हास्यास्पद परिणति को अद्भुत ढंग से चित्रित करता है। पतरस के व्यंग्य सीधे तौर पर प्रहार करने की बजाय संवेदनशील ढंग से हल्का-फुल्का हास्य पैदा करते हैं। उनके लेख सिर्फ़ हास्य-उत्पन्न करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि उनमें पाठक अचानक उस हास्य के पीछे छिपी गंभीर वास्तविकता को भी महसूस करता है। यही उनकी लेखनी की वास्तविक ताकत है।

## प्रथम नवरात्र पर श्रद्धालु मां शैलपुत्री की करेंगे उपासना

**मां दुर्गा के 9 स्वरुपों का उल्लेख धार्मिक ग्रंथों में मिलता है**

# शारदीय नवरात्र आज से जगमग हुए मंदिर, जमकर हुई खरीदारी

**मां दुर्गा की शक्तियां विषम परिस्थितियों में भी अपने उपासकों की करती है रक्षा**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

संकल्पी शक्ति के साथ ईश्वरीय शक्ति का मेल हर मनोरथ को पूर्ण कर सकता है। शारदीय नवरात्रों का यही संदेश है। मां दुर्गा के नवरात्रे 22 सितंबर से प्रारंभ हो रहे हैं। मां दुर्गा के 9 स्वरुपों का उल्लेख धार्मिक ग्रंथों में मिलता है। मां दुर्गा के प्रथम स्वरुप को शैलपुत्री के नाम से जाना जाता है। प्रथम नवरात्रे पर उपासक मां दुर्गा के प्रथम स्वरुप मां शैलपुत्री की पूरे विधि विधान के अनुसार उपासना करेंगे व मां दुर्गा के व्रत भी रखेंगे। धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख है कि जो उपासक मां भगवती दुर्गा की शरण में आ जाते हैं, उनका कभी कोई अमंगल नहीं होता। मां दुर्गा की शक्तियां विषम परिस्थितियों में भी अपने उपासकों की रक्षा करती है। शैलराज हिमालय की पुत्री के रूप में जन्मी मां दुर्गा के प्रथम रुप का नाम शैलपुत्री है। मां शैलपुत्री पार्वती और हेमवती नामों से भी जानी जाती हैं। मां का वाहन वृषभ है और इनके दाएं हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का फूल है। मां भगवती की विशेष कृपा प्राप्ति के लिए षोडशोपचार पूजन के बाद नियमानुसार उपासकों को गाय का घृत मां को अर्पित करना चाहिए और फिर वह घृत ब्राह्मण को दे देना चाहिए। मां शैलपुत्री की पूजा करने से कभी रोग नहीं होते। मां की पूजा अर्चना करने से मनवांछित फल मिलता है।

रेवाड़ी। पुरानी सब्जीमंडी में नवरात्र की खरीदारी करते श्रद्धालु तथा मोती चौक पर नवरात्र की खरीदारी करती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

### श्रद्धालुओं ने देर रात तक की खरीदारी

शारदीय नवरात्र की पूर्व संध्या पर शहर के मोती चौक बाजार, गुड बाजार व पैठ बाजार सहित शॉपिंग कॉम्पलैक्स में पूजन सामग्री तथा खाद्य सामग्री खरीदने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ रही। शहर के मुख्य मोती चौक बाजार में सामान खरीदने वालों की ज्यादा भीड़ दिखाई दी। दुकानों पर मां दुर्गा की पूजा में इस्तेमाल होने वाली सामग्री व श्रद्धालुओं द्वारा व्रत रखे जाने की वस्तुओं खूब बिक्री रही।

## आज गजकेसरी योग में होगी घट स्थापना

22 सितंबर से एक अक्टूबर तक चलने वाले नवरात्र में इस बार मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आएंगी। मां का वाहन हाथी ज्ञान व समृद्धि का कारक है। ज्योतिषाचार्य अजय शास्त्री ने बताया कि देवी का वाहन हाथी शुभ माना जाता है, यह देश के लोगों को सुख व ज्ञान में वृद्धि करेगा। नवरात्र में दुर्गा आराधना विशेष श्रेष्ठकर है। इस बार 10 दिन की नवरात्रि होगी। ज्योतिषाचार्य ने कहा कि शरत्काले महापूजा क्रियते या च वार्षिकी। तस्यां ममैतन्माहात्म्यं श्रुत्वा भक्तिसमन्वितः। सर्वाबाधाविनिर्मुक्तो धनधान्यसुतान्वितः। मनुष्यों मत्प्रसादेन भवष्यति न संशयः। दुर्गासप्तशती अर्थात शारदीय नवरात्रि शरदकाल में जो वार्षिक पूजा की जाती है, उस अवसर पर जो इस माहात्म्य को भक्ति पूर्वक सुनेगा, वह मनुष्य माता के प्रसाद से सब बाधाओं से मुक्त तथा धन-धान्य एवं पुत्र से संपन्न होगा। यह धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष को प्रदान करने वाला है। नवरात्रि में दुर्गासप्तशती का पाठ, दुर्गा चालीसा, देवी मंत्र, ॐ ऐं ह्रीम क्लीं चामुण्डायै विच्चे मंत्र का जप करने से सभी इच्छाओं की पूर्ति होती है। दुर्गा सप्तशती में 360 शक्तियों का वर्णन है। शास्त्री ने बताया है कि शक्ति पूजन के साथ भैरव पूजन भी अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि दुर्गा सप्तशती का हर मंत्र ब्रह्मवशिष्ठ विश्वामित्र ने साबित किया है, शापोद्धार के बिना पाठ का फल नहीं मिलता। दुर्गासप्तशती के 6 अंगों सहित पाठ करना चाहिए। दुर्गा सप्तशती के चरित्र का क्रमानुसार पाठ करने से शत्रुनाश, लक्ष्मी की प्राप्ति व सर्वदा विजय होती है। ज्योतिषाचार्य अजय शास्त्री ने बताया कि देवीपुराण में द्विस्वभाव लग्नयुक्त प्रातःकाल देवी का आह्वान व पूजन करने का विधान है। द्विस्वभाव कन्यालग्न प्रातः 5:53 से 8:08 तक, अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11:52 से 12:40 तक, शुभ चौघड़िया प्रातः 9:15 से 10:45 तक रहेगी। नवरात्रि में देवी मां को श्रृंगार का सामान चढ़ाना चाहिए। नारियल और गुड़हल का फूल चढ़ाने से मां भगवती प्रसन्न हो जाती हैं। तथा सभी मनोकामना पूर्ण करती है।

### पंजाबी धर्मशाला में मां दुर्गा की वंदना

रेवाड़ी। हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार का पंजाबी धर्मशाला में शारदीय नवरात्र के उपलक्ष्य में मां दुर्गा की वंदना का कार्यक्रम तूने मुझे बुलाया शेरांवालिए का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ के जिला प्रधान दीपेश भार्गव, समाजसेवी आदर्श राजपाल व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि नवरात्रि के नौ दिनों में सभी मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करते हुए अपने जीवन की दिव्यता का अनुभव करते हैं। घरों के मंदिर में मां की अखंड ज्योत जलाते हैं। नौ दिन जब हम पवित्रता पूर्वक रहते हैं तो दसवें दिन विजयदशमी अर्थात रावण का अंत होना निश्चित हो जाता है। मन के विकार नष्ट हो जाते हैं। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी धीरज शर्मा, समाजसेवी हरबंस लाल खुराना, उपप्रधान हेमंत ग्रोवर व डा. बलबीर अग्रवाल ने कहा कि मां दुर्गा के आठ हाथ प्रत्येक में छिपी संकल्पशक्ति का प्रतीक है। जब हम हृदय में मां दुर्गा का आह्वान करते हैं तो हमारी सात्विक मार्ग पर चलने की शक्ति कई गुना बढ़ जाती है। महिला प्रधान निशा सीकरी, समाजसेविका अमिता ग्रोवर, डा. नीतू पुन्हानी व शिक्षाविद प्रीति कपूर ने कहा कि मां दुर्गा का वाहन शेर हमारे महान चरित्र का प्रतीक है। जब हमारे विचार पवित्र होते हैं तो हम निर्भय हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में किसी भी तरह की प्रतिकूलताएं आए तो उनका हम आसानी से सामना कर सकते हैं।

## न्यूज डायरी

### निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 135 ने कराई जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। कैंप में 135 मरीजों को ओपीडी सेवाएं तथा फ्री दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में डा. एस पी यादव ने मेडिसन, डा. आत्म प्रकाश यादव ने हड्डीरोग, डा. पवन यादव ने न्यूरो सर्जरी, डा. कंचन यादव ने नेत्ररोग व डा. कोमल यादव ने दंत रोग के रोगियों को ओपीडी सेवाएं प्रदान की। कैंप में डा. कंचन यादव ने आंखों की जांच करने के बाद जरूरतमंद नेत्र रोगियों को निःशुल्क 32 चश्में भी वितरित किए। कैंप में लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव ने भी फ्री फिजियोथेरेपी सेवाएं प्रदान की। कैंप के आयोजन में यादव सभा के प्रधान रामबीर यादव, डा. यशपाल यादव, जसवंत सिंह, अमर सिंह, रामसिंह, सभा प्रवक्ता प्रो. सतीश यादव, शशिभूषण व सुरेंद्र सिंह ने सहयोग दिया।

### स्टेट जूनियर चैंपियनशिप के लिए टीम का हुआ चयन

कोसली। कारोली गांव में रविवार को 38वीं हरियाणा राज्य जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए जिला एथलेटिक्स टीम का चयन संपन्न हो गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एडवोकेट प्रदीप डागर व वशिष्ठ अतिथि लक्की राव ने बच्चों को मेडल पहनाकर प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता में 20 वर्ष से कम आयु वर्ग के लड़कों की 200 मीटर दौड़ में अमन ने प्रथम व जितेन्द्र ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 18 वर्ष से कम आयु वर्ग की लड़कियों की 100 मीटर दौड़ में भारती ने प्रथम व अंजलि ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 16 वर्ष से कम आयु वर्ग के लड़कों की 600 मीटर दौड़ में दिपांशु ने प्रथम व प्रिंस ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 16 वर्ष से कम आयु वर्ग की लड़कियों की 600 मीटर दौड़ में सोनिया ने प्रथम व नीतिशा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। 14 वर्ष से कम आयु वर्ग की लड़कियों की दौड़ में मानवी ने प्रथम व संजना ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

### सेवा पखवाड़ा में पंच परिवर्तन विषय पर की चर्चा

कोसली। नठेड़ा गांव में भाजपा के वरिष्ठ नेता वीर कुमार यादव के आवास पर रविवार को सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत पंच परिवर्तन विषयों के अर्न्तगत स्वदेशी, पर्यावरण, नागरिक कर्तव्य, कुटुम्ब प्रबोधन एवं नागरिक समरसता को लेकर चर्चा आयोजित की गई। वरिष्ठ भाजपा नेता वीर कुमार यादव ने कहा कि पंच परिवर्तन के इन पांच आयामों को जन-जन तक पहुंचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। जब तक समाज इन संकल्पों को आत्मसात नहीं करेगा, तब तक राष्ट्र की सशक्त उन्नति संभव नहीं है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं व गणमान्य लोगों का आभार व्यक्त किया। बैठक में उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि समाज में स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरूकता चलाई जाएगी।

### सेवा पखवाड़ा में प्रश्नोत्तरी एवं पीपीटी प्रतियोगिता

रेवाड़ी। सेवा पखवाड़ा के तहत खंड जाटूसाना में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं पीपीटी प्रेजेंटेशन का आयोजन किया गया। क्विज प्रतियोगिता में 43 विद्यालयों के 140 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जबकि 78 विद्यार्थियों ने हरियाणा की गौरवशाली सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक विरासत तथा रेवाड़ी की स्थानीय धरोहर को विषय बनाकर अपनी पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से बेहद रोचक और प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद यादव ने किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य विपिन कुमार राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाटूसाना ने सहयोग दिया। निर्णायक मंडल में मनीषा बीआरपी, संजय पीजीटी, सुमेर सिंह पीजीटी, उमा टीजीटी, मुकेश पीजीटी व राजेंद्र एबीआरसी ने भूमिका निभाई, वहीं विवेक कुमार लेखाकार, नरेश चौहान, दिनेश एवं अरविंद ने आयोजन में सराहनीय सहयोग दिया।

### सुमन शर्मा जेजेपी महिला जिला अध्यक्ष नियुक्त

रेवाड़ी। जननायक जनता पार्टी ने राजनीति में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा देते हुए कुतुबपुर निवासी सुमन शर्मा को महिला जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नियुक्ति पर सुमन शर्मा ने कहा कि पार्टी की ओर से दी गई जिम्मेदारी का वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निर्वहन करेंगी। उन्होंने पार्टी के संरक्षक चौ. अजय सिंह चौटाला, पूर्व उप मुख्यमंत्री चौ. दुष्यंत सिंह चौटाला, महिला प्रदेश अध्यक्ष रजनी मलिक, युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला, महिला प्रदेश प्रभारी किरण पूनिया और जिला अध्यक्ष चौ. विजय पंच का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि वे संगठन को मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने का काम करेंगी।

### जिला विकास समन्वय समिति की बैठक आज

रेवाड़ी। लघु सचिवालय सभागार में 22, सितंबर को दोपहर बाद 3 बजे जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि केंद्रीय सांख्यिकी, कार्यक्रम कार्यान्वयन एवं योजना राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में जिले में चल रहे विकास कार्यों तथा सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। डीसी ने सभी विभागाध्यक्षों को अपने-अपने विभाग से संबंधित विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट सहित बैठक में समय पर पहुंचने के निर्देश दिए है।

रेवाड़ी। सेक्टर-1 की सड़क पर कार्य करता ठेकेदार का कारिंदा।

## चार माह पहले बनी सड़क मामले में लीपापोती शुरू

**आज डीसी से मिलेंगे सेक्टरवासी**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जवाहर लाल नेहरू पार्क से सोलहराही मंदिर तक करीब चार माह पहले बनी सड़क के निर्माण में बरती गई अनियमित्ताओं को लेकर सेक्टरवासियों की ओर से की गई शिकायत के बाद अब ठेकेदार ने सड़क में लीपापोती शुरू कर दी है, जिसका रविवार को शिकायतकर्ता व रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने विरोध किया तथा सोमवार को इस संदर्भ में जिला उपायुक्त से मिलने का निर्णय लिया है। करीब चार माह पूर्व सेक्टर-1 में नेहरू पार्क से सोलहराही मंदिर तक सिमेंटेड सड़क का निर्माण किया गया था। सेक्टर के जागरूक नागरिक धीरज मदान ने इस संदर्भ में डीएससी को लिखित शिकायत की थी कि सड़क को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नहीं बनाया गया, इसके साथ लगी हुई इंटरलॉकिंग टाइल्स को भी ठेकेदार द्वारा उठा लिया गया है।

### मापदंडों का पालन नहीं

रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान रविंद्र यादव ने बताया कि निर्धारित मापदंडों के अनुसार सड़क नहीं बनाए जाने की वजह से नेहरू पार्क के मुख्य द्वार के सामने जल भराव की स्थिति पैदा हो गई है। सेक्टर की पुरानी इंटरलॉकिंग टाइल्स अभी तक नहीं लगाई हैं, जगह-जगह मलबा पड़ा है, जिसकी जानकारी सोमवार को जिला उपायुक्त को दी जाएगी। शिकायतकर्ता धीरज मदान ने बताया कि उनके निवास के साथ पहले से बनाई हुई सड़क को तोड़ तो दिया गया, किंतु नए सिरे से अभी तक नहीं बनाया है,न ही पुरानी इंटरलॉकिंग टाइल्स को दोबारा लगाया गया है।

**चित्रगुप्त मंदिर में भजन संध्या का आयोजन**

## गायकों ने मनमोहक भजनों से बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। चित्रगुप्त मंदिर में भजन गाते गायक व उपस्थित श्रृद्धालु।

श्री सर्व भगवान शिव एवं श्री चित्रगुप्त मंदिर चैरिटी ट्रस्ट एवं श्री चित्रगुप्त सभा की ओर से चित्रगुप्त मंदिर कुतुबपुर में भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर के अध्यक्ष डा. ललित मोहन सक्सेना ने किया। डा. हरिओम कुलश्रेष्ठ सचिव चित्रगुप्त सभा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के सचिव के के सक्सेना ने किया तथा कार्यक्रम की रूपरेखा डा. रूचि सक्सेना ने तैयार की। भजन कार्यक्रम गणेश वंदना के साथ शुरू किया। गायक कलाकारों ने लगन तुमसे लगा बैठे, कौन कहता हैं भगवान आते नहीं, तेरा राम जी करेंगे बेड़ा पार, नाम हैं तेरा तारणहारा, सुख के सब साथी, रोम रोम में बसने वाले राम, ऐ शंभूबाबा हैं भोलेनाथ व जरा देर ठहरो राम सहित अनेक भजन सुनाकर कार्यक्रम में समां बांधा। डा. नमिता कुलश्रेष्ठ, मनोज चक्रवर्ती, महेश नामदेव, अनिल ठकराल, त्रिभुवन भटनागर, ललित मोहन सक्सेना, अल्पना खरे, मधुरमा सक्सेना, ईतिश्री, शिखा व जितेन्द्र कुमार ने अनेक भजन सुनाएं।

### ये रहे मौजूद

इस मौके पर संजय माथुर, राम कुमार, मुकेश भार्गव, अजय श्रीवास्तव, डा. शिवशान्त चंद्रा, अजय श्रीवास्तव, मोना माथुर, डा. रूचि सक्सेना, सिमरन सांगवान, मुकेश लांबा, इंदु श्रीवास्तव, चन्द्रवती, सुमन ठकराल, सोनिया चक्रवर्ती, अभिलाषा नामदेव, प्रदीप भार्गव, प्रमिला भार्गव, पूनम भारद्वाज, डा. रजनी चंद्रा, अंशुमन सिंह भटनागर, अनुपम कुलश्रेष्ठ, अलय सक्सेना, मधु भार्गव, वैभव भर्गव, अंजू नांरग, दीपक श्रीवास्तव, प्रियंका श्रीवास्तव व अंकित नांरग सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

**डीएसपी कोसली ने लोगों को किया जागरूक**

## साइबर अपराधों से स्वयं को दूर रखें गोपनीय जानकारी किसी को न दें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी/कोसली

जिला पुलिस की ओर से दो अक्टूबर तक मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न सामाजिक और जन-हितैषी अभियान चलाए जा रहे है। अभियान के दौरान पुलिस आमजन को स्वच्छता, पौधारोपण, महिला सुरक्षा, नशा मुक्ति जागरूकता अभियान, साइबर सुरक्षा, रक्तदान और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रही है। रविवार को डीएसपी कोसली विद्यानंद ने अपनी टीम सहित गांव आशियाकी गौरावास व रतनथल का ग्रामीण भ्रमण किया तथा ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया। इस दौरान रोहड़ाई थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रविन्द्र कुमार व डीएसपी रीडर एसआई सुनील कुमार भी मौजूद थे। इस अवसर पर डीएसपी विद्यानंद ने कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। अपराध पर अंकुश, महिला सुरक्षा व नशे पर रोकथाम लगाना पुलिस की प्राथमिकता है।

**श्री शिव रामलीला समिति कर रहा आयोजित**

## नई अनाजमंडी में रामलीला का मंचन 23 से, स्टेज हो रहा तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

श्री शिव रामलीला समिति नई अनाजमंडी की ओर से प्रभु श्रीराम की लीला का मंचन 23 सितंबर से प्रारंभ होने जा रहा है। समिति के प्रधान नवल किशोर गुप्ता के नेतृत्व में सभी सदस्यों व कलाकारों ने बल्ली पूजन किया। पंडित दलीप शास्त्री और पंडित किशनचंद वशिष्ठ ने मंत्र उच्चारण के साथ विधिवत बल्ली का पूजन किया तथा हनुमान का किरदार निभाने वाले विपिन्न अग्रवाल ने स्टेज के ऊपर हनुमान जी की ध्वजा भी लगाई। समिति के महासचिव दीपक मंगला ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के बैठने के लिए विशेष प्रबंध किया गया है। इस अवसर पर निर्देशक कपिलचन्द शर्मा, डा. श्याम बिहारी, मंच संचालक नगर पार्षद भूपेन्द्र गुप्ता, प्रेस सचिव एडवोकेट नितेश अग्रवाल, उपनिदेशक संजीव वशिष्ठ, मुकेश चांवरिया, गिरिश गुप्ता, रोशनलाल, मनोज गुप्ता, सलाहकार पंडित किशनचन्द वशिष्ठ, कलाकार आशीष आदि मौजूद रहे।

**अग्रवाल सभा : तीन दिवसीय महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव शुरू**

## प्रथम विजेता शगुन रही, जिन्होंने मोटरसाइकिल जीती

**लकी ड्रा में निकाले आकर्षक इनाम**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अग्रवाल सभा की ओर से शनिवार रात्रि से तीन दिवसीय महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह का शुभारंभ सेक्टर-3 स्थित हुडा ग्राउंड में किया गया। अग्रवाल सभा के प्रधान रिपुदमन गुप्ता एवं अग्रसेन जयंती समारोह के चेयरमैन लक्ष्मीनारायण अग्रवाल ने बताया कि महाराजा अग्रसेन जयंती पर शनिवार रात्रि दीपावली मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रामकिशन गुप्ता भालखी वाले ने शिरकत की तथा अध्यक्षता मनीष अग्रवाल ने की। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि आलोक सिंहल व विशिष्ट अतिथि जतिन अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका अटेली मंडी थे।

रेवाड़ी। हेमंत अग्रवाल को एलईडी भेंअ करते अग्रवाल सभा के पदाधिकारी।

### ये रहे कार्यक्रम में मौजूद

समारोह में आईजीयू के रजिस्ट्रार प्रोफेसर दिलबाग सिंह व आईजीयू की महाराजा अग्रसेन चेयर की अध्यक्ष ममता गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रही। अग्रवाल सभा के प्रधान रिपुदमन गुप्ता, उपप्रधान एडवोकेट राकेश गुप्ता, महासचिव राजीव गोयल, सहसचिव संदीप गोयल, कोषाध्यक्ष प्रेम प्रकाश अग्रवाल, जयंती समारोह के चेयरमैन लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, सहचेयरमैन एडवोकेट मोहित गोयल व महिला विंग की प्रधान मोना गोयल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और विजेताओं को शुभकामनाएं दीं। मंच संचालन मीडिया प्रभारी हेमंत अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर समाज के कॉलेजियम सदस्य, वैश्य समाज के प्रधान एवं अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

### महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया शुभारंभ

अतिथियों ने सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश वंदना से किया गया। समारोह में लकी ड्रा का आयोजन भी किया गया। नन्हें बालक शिवेन गुप्ता ने लक्की ड्रा निकाले। प्रथम विजेता शगुन रही, जिन्होंने मोटरसाइकिल जीती, द्वितीय विजेता एडवोकेट अक्षय गुप्ता ने इलेक्ट्रिक स्कूटी जीती, तृतीय विजेता अग्रवाल सभा के मीडिया प्रभारी हेमंत अग्रवाल ने 55 इंच की एलईडी टीवी जीती, चौथे इनाम में विकास शर्मा ने इलेक्ट्रिक बेबी बाइक और पांचवें इनाम में सोनू धनखड़ ने माइक्रोवेव जीता। इसके अलावा अन्य 11 सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए। अग्रसेन जयंती समारोह में श्री गौरी दत्त कांवेंट स्कूल, महाराजा अग्रसेन स्कूल, हिंदू हाई स्कूल और

## रेलवे कॉलोनी में ड्रामेटिक क्लब का 65वां रामलीला उत्सव आज से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेलवे कॉलोनी स्थित श्री राम मंदिर रेलवे ड्रामेटिक क्लब की ओर से 65वां रामलीला उत्सव 22 सितंबर से शुरू किया जाएगा। स्व. के एल शर्मा की ओर से स्थापित क्लब की ओर से वर्ष 1961 से लगातार रामलीला का मंचन किया जा रहा है। रामलीला का मंचन के के सक्सेना के निर्देशन में होगा, जबकि मुकेश भारद्वाज व घनश्याम दास शर्मा उप निदेशक की जिम्मेदारी निभाएंगे। दो अक्टूबर तक चलने वाले रामलीला मंचन के बीच में 27 सितंबर को नाटक मंचन किया जाएगा।

- 961 से लगातार रामलीला का किया जा रहा है मंचन

**रामलीला मंचन को लेकर रिहर्सल अंतिम चरण में**

सोमवार रात्रि को पंडित सुरेश शास्त्री व पंडित मोहन लाल शर्मा के पूजन के साथ रामलीला शुरू होगी तथा कार्यक्रम का शुभारंभ लक्ष्य कौशिक करेंगे। रामलीला के पहले दिन नारद मोह, नारद द्वारा विष्णु भगवान को श्राप देने, शिव भगवान द्वारा रावण को चन्द्रहास तलवार देने व वेदवती द्वारा रावण को श्राप देने का मंचन किया जाएगा। रामलीला मंचन को लेकर रिहर्सल अंतिम चरण में है। रामलीला में के के सक्सेना, उमेश शर्मा, मुकेश भारद्वाज, घनश्याम दास शर्मा, राजेश शर्मा, ब्रिजेश शर्मा, महेश कौशिक, मेहरचन्द्र, सागर, अनुज, दिवेश शर्मा, मोहित यादव, निखिल रोहिल्या, रोहित, प्रिंस, नरेन्द्र गोयल, संजय सोनी, जितेश, रोशन लाल, जगदीश शर्मा, महेश कुमार, लक्ष्य कौशिक लक्ष्य शर्मा व नवीन अभिनय करेंगे, जबकि म्यूजिक व डांस में श्यामलाल, राम नारायण, पिंकी व राहुल का योगदान रहेगा। रामलीला के मंचन में विष्णु भगवान शर्मा, राम जीवन, युधिष्ठिर यादव, अलोक शर्मा, भगवान दास, राजेश यादव, महेन्द्र कुमार शर्मा, दीपक कुमार, बिल्लु राव, जितेन्द्र शर्मा, सौरव मीणा व राकेश श्रीवास्तव भी सहयोग कर रहे हैं।

## खबर संक्षेप

### कोसली क्षेत्र से विवाहिता लापता

**कोसली।** कोसली क्षेत्र की एक विवाहिता बिना किसी को कुछ बताए घर से लापता हो गई। विवाहिता के ससुर ने कोसली थाने में मामला दर्ज कराया है। पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके छोटे बेटे की पत्नी शनिवार दोपहर बाद बिना बताए घर से चली गई। उन्होंने आस-पडोस में भी पता कर लिया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पाया। पुलिस ने उनकी सूचना पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है।

रेवाड़ी। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए सरपंच नरेश। फोटो :हरिभूमि

### लोगों को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

**रेवाड़ी।** रामपुरा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में सेवा पखवाड़े के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामपुरा सरपंच नरेश ने की। जिले में दो अक्टूबर तक चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत विभिन्न विभागों के माध्यम से अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इस मौके पर सरपंच नरेश ने सभी को स्वच्छता पर फोकस रखते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

रेलवे रोड बाजार में अवैध पार्किंग में खड़े वाहन

*सरकुलर रोड सहित मुख्य बाजार में बिगड़ रही व्यवस्था*

# त्योहारी सीजन में बाजार में बढ़ेगी भीड़, अतिक्रमण से घिरी हैं सड़कें, लोगों के बीच घूम रहे गोवंश

रविवार को अमावस्या होने पर जहां सुबह 11 बजे तक शहर की सड़कों पर गोवंश की संख्या न के बराबर रही, वहीं 12 बजे बाद सरकुलर रोड, अनाजमंडी व मुख्य बाजार सहित कॉलोनियों में फिर से गोवंश का जमावड़ा लग गया। शहर में सड़कों पर घूमते ज्यादातर गोवंश पशुपालकों के है, जिनको दूध दोहने के बाद खुले में छोड़ दिया जाता है और बाद में ये गोवंश लोगों के लिए परेशानी बन जाते है। रविवार को बाजर में घुसे गोवंश दिनभर लोगों के लिए आफत पैदा करते रहे।

**बाजार में मोती चौक से गोकल गेट तथा रेलवे रोड की स्थिति ज्यादा खराब**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

सोमवार से शारदीय नवरात्र के साथ फेस्टिवल सीजन शुरू होने जा रहा है। शहर के मुख्य बाजर में लंबे अरसे से व्याप्त अतिक्रमण नासूर बन चुका है। अतिक्रमण के कारण त्योहारी सीजन में स्थिति और भी खराब हो जाती है। प्रशासन की ओर से न तो बाजार को अतिक्रमण मुक्त किया जा रहा है और न ही सरकुर रोड पर व्यवस्था बन पा रही है। बाजार से गुजरते चौपहियां वाहनों, ऑटो व ई-रिक्शा को रोकने के लिए भी कोई ठोस प्रबंध नहीं किए जा रहे है। यहां तक कि बाजार में दिन में भी लोगों के बीच गोवंश घूम कर परेशानी पैदा कर रहे है। शहर के मुख्य मार्गो व बजार में सड़क पर अवैध पार्किंग में खड़े वाहन भी अव्यवस्था फैलाने में कसर नहीं छोड़ रहे है। बाजर में मोती चौक से गोकल गेट तथा रेलवे रोड की स्थिति ज्यादा खराब है। मुख्य बाजार में सड़क पर रखा दुकानदारों का सामान जगह घेरे हुए है, वही सड़क के बीचोंबीच खड़ी रेहड़ियां भी परेशानी बनी हुई है। अतिक्रमण से घिरे बाजार में घुसते वाहन जाम की स्थिति पैदा कर रहे है। दुकानदारों का सामान लेकर आने वाले वाहन भी अपनी मनमर्जी के समय में बाजार में अव्यवस्था फैला रहे है।

**दिन में बाजार में घुसते ई-रिक्शा व चौपहिया वाहन बन रहे लोगों की आफत**

**प्रशासन की ओर से न तो बाजार को अतिक्रमण मुक्त किया जा रहा और न ही सरकुर रोड पर व्यवस्था बन पा रही**

बाजार से चौपहियां वाहनों, ऑटो व ई-रिक्शा को रोकने के लिए कोई ठोस प्रबंध नहीं किए जा रहे

गोकल गेट पर बेरिकेडिंग के बावजूद घुसता ई-रिक्शा

**बाजार में दिन में भी लोगों के बीच गोवंश घूम कर परेशानी पैदा कर रहे है।**

**शहर के मुख्य मार्गों व बजार में सड़क पर अवैध पार्किंग में खड़े वाहन अव्यवस्था फैलाने में कसर नहीं छोड़ रहे**

### पुलिस ने गोकल गेट पर की बेरिकेडिंग

प्रति वर्ष दिवाली पर्व से पूर्व बाजर में वाहनों को रोकने के लिए भाड़ावास गेट व गोकल गेट पर बांस की बल्लियां व बेरिगेड्स लगाकर व्यवस्था बनाई जाती है। पुलिस की ओर से गोकल गेट से तो बेरिकेडिंग करके चौपहियां वाहनों की बाजार में एंट्री बंद कर दी है, लेकिन अन्य मार्गो से बेधड़क बाजार में घुस रहे वाहन अव्यवस्था फैलाने का काम कर रहे है। कानोड़ गेट से जीवली बाजार होते हुए, सरकुलर रोड से कटला बाजार होते हुए गुर्जरवाड़ा चौक से बारा हजारी होते हुए, पुरानी तहसील से बजाजा बाजार होते हुए व गोल चक्कर से केवल बाजार होते हुए भी चौपहियां वाहन बाजारों में एंट्री कर रहे है। त्योहार पर राहत देने के लिए प्रशासन व पुलिस को और व्यवस्था बनाने की जरूरत है।

### नगर परिषद की व्यवस्था हो रही फेल

शहर के सरकुलर रोड व बाजार को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए नगर परिषद की योजनाएं कई बार फेल हो चुकी है। यहां तक कि प्रतिबंध के बावजूद भी धड़ल्ले से संडे बाजार लगाया जा रहा है। बंद दुकानों के आगे फड़ी लगाकर सामान बेचा जा रहा है। इसके अलावा बाजार में सड़क पर लगी रेहड़ियां भी परेशानी बनी हुई है। रेहड़ी वाले एक जगह न खड़े होकर भीड़भाड़ वाली जगह रेहड़ी खड़ी करके व्यवस्था बिगाड़ रहे है।

**रविवार को मेन बाजार में विचरण करते गोवंश**

# ग्रामीणों ने की रास्ते के निर्माण पर रोक लगाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

■ सरपंच पर अपने नीजि स्वार्थ व फायदे का लगाया आरोप

भाकली गांव के कुछ ग्रामीणों ने गांव के सरपंच पर निजी हितों के लिए खेतों में पक्का रास्ता बनाने का आरोप लगाते हुए एसडीएम से रास्ते के निर्माण पर रोक की मांग की है। ग्रामीण रणसिंह, सुरेश कुमार, जयभगवान, सत्यवान, रणबीर व विरेंद्र सिंह ने एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में बताया कि ग्राम पंचायत भाकली के सरपंच श्याम सिंह की ओर से अपने नीजि स्वार्थ व फायदे के लिए प्लाटिंग करने के लिए खेतों की जमीन खरीद की हुई है और अब सरपंच की ओर से खेतों में जाने वाले रास्ते को टाईल्स से पक्का बनवाया जा रहा है, जबकि उक्त रास्ते पर आमजन का कोई आवागमन भी नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार यह रास्ता एक ही खेत के लिए लगता है और शेष रास्ता निजी है। ग्रामीणों की मांग है कि उक्त रास्ते को बीच से न बनाकर शुरू से ही बनाया जाए। ग्रामीणों ने एसडीएम से रास्ते का मौके पर निरीक्षण करके उचित कार्यवाही की मांग की है। सरपंच ने बताया कि उक्त रास्ता चकबंदी का पक्का रास्ता है, इसीलिए उसे टाइल्स से पक्का किया जा रहा है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

रेवाड़ी। भाकली गांव में बनवाया जा रहा पक्का रास्ता। फोटो :हरिभूमि

### ब्रह्मगढ़ में पिछली बैठक में लिए गए निर्णय के कार्यो को लेकर की चर्चा

रेवाड़ी। ब्रह्मगढ़ में आयोजित बैठक में मौजूद ब्राह्मण सभा के पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

**रेवाड़ी।** ब्राह्मण सभा की ओर से रविवार को ब्रह्मगढ़ परिसर में प्रधान चंद्रशेखर गौतम की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभा के कार्यों की आमसभा की बैठक सहित आगामी योजनाओं के बारे में चर्चा की गई। सभा के महासचिव जयकुमार कौशिक ने पिछले बैठक के निर्णयों पर किए कार्यो और आय-व्यय का ब्योरा पेश किया। सभा प्रेस सचिव रमेश वशिष्ठ ने बताया कि ब्रह्मण सभा आगामी 5 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे सभा मुख्यालय ब्रह्मगढ़ पर आमसभा निश्चित की गई है। आम सभा से संबंधित व्यवस्था की जिम्मेदारी उपप्रधान दीपक शर्मा, महासचिव जयकुमार कौशिक, कार्यकारिणी सदस्य भूपेंद्र भारद्वाज, जितेंद्र तिवारी, पीसी भारद्वाज, सुरेन्द्र शर्मा, सुरेश शर्मा, श्याम बाबू, दिनेश वशिष्ठ, मैनेजर हेमंत भारद्वाज व दीपक शर्मा को सौंपी गई। सभा प्रधान गौतम ने सभी कॉलेजियम सदस्यों से समाजहित में आमसभा में पहुंचने की अपील की है।

### सूक्ष्म पोषक तत्वों और कीट प्रबंधन के अनुदान के लिए 30 तक आवेदन

**रेवाड़ी।** हरियाणा सरकार की ओर से कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के माध्यम से कपास की खेती के लिए सूक्ष्म पोषक तत्वों एवं एकीकृत कीट प्रबंधन पर अनुदान के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि विभाग की ओर से किसानों को कपास की खेती के लिए सूक्ष्म पोषक तत्व एवं एकीकृत कीट प्रबंधन पर अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इच्छुक किसान एग्रीहरियाणा.जीओवी.इन पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ उठा सकते है। आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य कपास की फसल में पोषक तत्वों की कमी को दूर कर उत्पादन एवं गुणवत्ता में सुधार करना तथा कीट प्रबंधन द्वारा फसल को सुरक्षित रखना है। उन्होंने जिले के सभी कपास उत्पादक किसानों से निर्धारित तिथि तक आवेदन करके योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

डीसी अभिषेक मीणा।

### नैचाना में मेघवाल उत्थान समिति की बैठक आयोजित

**रेवाड़ी।** मेघवाल उत्थान समिति हरियाणा की साप्ताहिक बैठक का आयोजन रविवार का गांव नैचाना में किया गया। सभा की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी दुर्गाप्रसाद मेघवाल ने की तथा मंच का संचालन शिक्षाविद अशोक मेघवाल ने किया। सभा में समाज के अनेक प्रबुद्धजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभा में मेघवाल शब्द को अपनाने पर सहमति जताई गई ताकि समाज में सकारात्मक पहचान और सम्मान की स्थापना हो सकें। सरपंच सावंत सिंह ने कहा कि समिति का मूल लक्ष्य हरिजन एवं गुवाड़ी जैसे अपमानजनक शब्दों का परित्याग करना है। इस अवसर पर कर्मवीर पूर्व सरपंच नैचाना, बावल ब्लॉक प्रधान सूबेदार रमेश चंद्र, रेवाड़ी जिला प्रधान महेंद्र झाझरिया, रूड़ाराम, सरदार सिंह, सुजान सिंह, देवेंद्र सिंह मेघवाल, धनपत सिंह, फतेह सिंह, राहुल मेघवाल, सरपंच रविंद्र सिंह, हीरा सिंह वैध, इंस्पेक्टर सरदार सिंह, सुब्रम व देवेंद्र सिंह बावलिया धामलाका सहित समाज के अनेक लोग मौजूद थे। बैठक में भविष्य की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया।

### सेवा पखवाड़ा के तहत मेडिकल कैंप का आयोजन, सैकड़ों मरीजों ने कराई जांच

**रेवाड़ी।** सेवा पखवाड़ा के तहत मेडलिक्स डा. आरबी यादव अस्पताल में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, आईएमए अध्यक्ष डा. दीपक शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि डा. करतार सिंह यादव, समाजसेवी रमेश सचदेवा, दिनेश टींट भाजपा जिला सचिव, एस के अरोड़ा, अतुल बत्रा, दयाराम आर्य, प्रशांत व रणजीत सिंह बागोरिया ने भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलन करके किया। स्वास्थ्य जांच कैंप में वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जन डा. रामबाबू यादव, स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. सुमन यादव, सीनियर न्यूरो एवं स्पाइन सर्जन डा. अजय प्रसाद, डा. नीतू यादव फिजियोथैरेपीसट, डा. अजीत सिंह यादव हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ, डा. पवन, डा. सरिता, राजकुमार मैनेजर व संदीप ने सेवाएं दीं। डॉक्टरों की टीम ने 90 से अधिक मरीजों की स्वास्थ्य जांच करके उचित परामर्श दिया। इस अवसर पर विधायक लक्ष्मण यादव ने कहा कि अन्य निजी अस्पतालों को भी इस तरह की पहल करने की जरूरत है ताकि जरूरतमंद लोगों को उपचार मिल सकें। डा. सुमन यादव ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। स्वास्थ्य जांच कैंप जैसे आयोजन समाज के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं और आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा।

रेवाड़ी। कैंप में बीपी की जांच कराते विधायक लक्ष्मण यादव। फोटो :हरिभूमि

# विद्यार्थियों ने चिकित्सा पद्धतियों का अभ्यास किया

## आईजीयू योग विभाग के विद्यार्थियों ने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र का किया शैक्षणिक भ्रमण

■ विद्यार्थियों को प्राकृतिक एवं पौष्टिक आहार को अपने दैनिक जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र में मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के योग विभाग की ओर से विद्यार्थियों को स्वामी ब्रह्मानंद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा ट्रस्ट महेंद्रगढ़ का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर करण सिंह ने विद्यार्थियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रोफेसर दिलबाग सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत शैक्षणिक भ्रमणों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह विद्यार्थी-जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक कौशलों को विकसित करने का अवसर प्रदान करता है। स्वामी ब्रह्मानंद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा ट्रस्ट के अध्यक्ष कैप्टन राजेंद्र सिंह खेड़ा एवं मुख्य चिकित्सक डा. भंवर सिंह कसाना, डा. कृष्णा कसाना, डा. नवीन कुमार यादव, डा. सुरेंद्र आर्य सिहमा, डा. सत्यदेव व डा. मनीष मथुरा विद्यार्थियों और प्राध्यापकों का चंदन तिलक लगाकर अभिनंदन किया। उन्होंने प्राकृतिक चिकित्सा की विविधताओं जैसे मसाज, मिट्टी लेपन, मिट्टी पट्टी, संपूर्ण मिट्टी स्नान, भाप स्नान, कटि स्नान तथा एक्यूप्रेशर और फिजियोथैरेपी के उपकरणों का परिचय देते विधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। विद्यार्थियों ने इन चिकित्सा पद्धतियों का अभ्यास किया और यौगिक आहार द्वारा स्वास्थ्य संवर्धन की महत्ता को भी समझा। विद्यार्थियों को प्राकृतिक एवं पौष्टिक आहार को अपने दैनिक जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी गई। इस मौके पर योग विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. जयपाल सिंह राजपूत, डा. अमनदीप, डा. धर्मवीर, प्रवीण कुमार, अमित कुमार तथा लिपिक रेखा सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित थे।

**मानसून के लौटने की संभावना अब नहीं, सप्ताह के अंत में छा सकते हैं बादल**

# मौसम साफ होते ही चढ़ने लगा पारा, रात को राहत

■ बरसात का अनुमान नहीं,तापमान में उतार-चढ़ाव बना रहेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

दो-तीन दिन तक आंशिक बादल छाने के बाद आसमान पूरी तरह साफ होना शुरू हो गया है। मौसम साफ होने के साथ ही दिन का पारा चढ़ने लगा है, जिससे गर्मी दोपहर बाद तक पसीना छुड़ा रही है। रात का तापमान कम रहने के कारण लोग चैन की नींद सो रहे हैं। मानसून की वापसी की कोई संभावना नहीं है, परंतु सप्ताह के अंत में बादल छा सकते हैं। रविवार को सुबह से ही आसमान पूरी तरह साफ रहा। तेज धूप खिलने के कारण दिन का तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 37.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 1.0 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 20.0 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। हवा में नमी का स्तर 60 फीसदी तक रहा, जबकि हवाओं की गति 13 किलोमीटर प्रति घंटा रही। मौसम कुछ इस तरह का बनने लगा है कि दिन के समय ही गर्मी परेशान कर रही है। रात का मौसम सुहाना होने से कूलरों का इस्तेमाल भी कम हो गया है।

**रात का मौसम सुहाना होने से कूलर का इस्तेमाल कम हो गया**

रेवाड़ी। अनाजमंडी में फड पर लगी बाजरे की ढेरियां। फोटो :हरिभूमि

### मंडी में बढ़ने लगी बाजरे की आवक

*मौसम साफ होने के बाद किसान तेजी से बाजरा निकालकर मंड़ियों में भेज रहे हैं। इससे मंडियों में बाजरे की आवक बढ़ गई है। बाजरे की बीस हजार बैग तक की आवक हो रही है। एमएसपी पर खरीद शुरू नहीं होने के कारण किसान आढ़तियों को बाजरा बेच रहे हैं, जिससे उन्हें पर्याप्त मूल्य नहीं मिल पा रहा है। बाजरे की क्वालिटी खराब होने के कारण भी किसानों को सस्ते दामों पर बाजरा बेचना पड़ रहा है। दूसरी ओर किसानों ने सरसों की बिजाई की तैयारी भी शुरू कर दी है। माह के अंत तक बिजाई का कार्य तेजी से शुरू हो जाएगा।*

**हवा में नमी का स्तर ज्यादा बना**

हवा में नमी का स्तर अभी ज्यादा बना हुआ है, जिससे उमस भी लोगों के पसीने छुड़ा रही है। मौसम विभाग के अनुसार अभी बारिश की कोई संभावना नहीं है। इस सप्ताह के अंत में आसमान में आंशिक बादल जरूर छा सकते हैं, परंतु बरसात का अनुमान नहीं है। इस दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

### शराब ठेके के सेल्समैन से मारपीट, तोड़फोड़ करने और चोरी करने का आरोपी काबू

*रेवाड़ी। थाना सदर पुलिस ने किशनगढ़ बालावास में शराब ठेके के सेल्समैन से मारपीट करने, ठेके का सामान तोड़ने और गल्ले से पैसे चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। गत 18 सितंबर को पुलिस को दर्ज बयान में रोहड़ाई निवासी सुनील ने बताया था कि वह किशनगढ़ बालावास में शराब के ठेके सेल्समैन लगा हुआ है। उसके ठेके पर बालावास जमापुर निवासी नितेश कुमार ने आकर एक शराब का अध्धा देने को कहा। उसने उसे शराब का अध्धा दे दिया। पैसे मांगने पर उसने शराब के पैसे देने से मना कर दिया। उसने कहा कि वह पैसे नहीं दे रहा है, तो शराब का अध्धा वापस दे। सुनील ने आरोप लगाया कि आवेश में आकर नितेश ठेके अंदर घुस गया। उसने शराब का अध्धा उसके सिर पर मार दिया। इससे वह लहूलुहान हो गया। नितेश ने शराब के ठेके में रखी एलसीडी को अध्धा मारकर तोड़ दिया। कूलर और कैमरा भी तोड़ दिया। इसके बाद वहां आई एक महिला ने गल्ले से नकदी निकाल ली। उसने ठेके से भागकर अपनी जान बचाई। पड़ोसी दुकानदार दीपक ने पुलिस को फोन करने के बाद उसे ट्रॉमा सेंटर में दाखिल कराया। पुलिस ने 19 सितंबर को उसके बयान पर आरोपी नितेश व महिला के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।*

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।